| **M.A. (Two Years Degree Program)** |
| --- |
| **Second Semester** |
| **Subject- Hindi**  |
| **Code of the Course** | HIN8008T |
| **Title of the Course** | **रीतिकालीन हिंदी काव्य** |
| **Qualification Level of the Course** | NHEQF Level 6 |
| **Credit of the course** | 4 |
| **Type of the course** | Discipline Centric Compulsory (DCC) Course in Hindi  |
| **Delivery type of the Course** | Lecture, 40+10+10=60hr. (The 40 lectures for content delivery + 10 on diagnostic assessment, formative assessment, +10 Tutorial) |
| **Prerequisites** | B.A.  |
| **Co-requisites** | None |
| **Objectives of the course** | 1. हिंदी रीतिकालीन काव्य प्रवृत्तियों की जानकारी देना। 2. तत्कालीन प्रमुख कवि तथा उनकी कृतियों से परिचय कराना।3. पाठ्य कृतियों के सन्दर्भ में समीक्षा की क्षमता बढ़ाना। |
| **Learning outcomes** | 1. रीति काव्य के विश्लेषण से विद्यार्थियों का ज्ञानवर्धन हुआ।
2. काव्यग्रंथों एवं काव्यशास्त्र के सिद्धांतों की जानकारी प्राप्त हुई।
3. रचनात्मक, सौंदर्यात्मकता एवं संवेदनशीलता का विकास और नैतिक मूल्यों की प्रतिस्थापना हुई।
 |
| **Syllabus** |
| **UNIT-I** | ‘बिहारी रत्नाकर’ (प्रथम 50 दोहे) से चयनित दोहों की व्याख्या एवं बिहारी संबंधी आलोचनात्मक प्रश्न।**(12 Hours)** |
|
| **UNIT -II** | ‘रामचंद्रिका’ (परशुराम संवाद) से चयनित अंश की व्याख्या एवं केशव संबंधी आलोचनात्मक प्रश्न।**(12 Hours)** |
|
| **UNIT-III** | ‘भूषण ग्रंथावली’ से चयनित पदों की व्याख्या एवं भूषण संबंधी आलोचनात्मक प्रश्न।**(12 Hours)** |
| **UNIT-IV** | ‘आनंदघन’ (प्रथम 25 पद) से चयनित पदों की व्याख्या एवं घनानन्द संबंधी आलोचनात्मक प्रश्न।**(12 Hours)** |
|
| **UNIT-V** | रीतिकालीन हिंदी कविता : परिचय एवं प्रवृत्तियाँ।**(12 Hours)** |
|
| **Text Books** | 1. बिहारी: ‘बिहारी रत्नाकर’ : (प्रथम 50 दोहे ही पढ़ाए जाएंगे) सं. जगन्नाथ दास रत्नाकार, लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद2. केशव : ‘रामचंद्रिका’ (परशुराम संवाद), नागरी प्रचारिणी सभा, काशी3. भूषण ग्रंथावली : सं. विश्वनाथ मिश्र – (पद सं. 408, 411, 412, 413, 420, 421, 424, 427, 428, 429,430, 431, 432, 433, 436, 442, 443, 444, 445, 448), वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली4. घनानन्द - ‘आनन्दघन’ (प्रथम 25 पद पढ़ाए जाएँगे), सं. रामदेव शुक्ल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली |
| **Reference Books** | 1. भागीरथ मिश्र : हिंदी रीति साहित्य, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली2. बच्चन सिंह : बिहारी का नया मूल्यांकन, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद3. नगेन्द्र : रीतिकाव्य की भूमिका, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली4. बच्चन सिंह : बिहारी का नया मूल्यांकन, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली5. नन्द किशोर नवल : रीति काव्य, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली |
| **Suggested E-resources** | <http://sahityabhawanpublications.com><http://kavitakosh.org><http://www.hindikavykosh.in> |